PPP का कस गया पाश, सरकारी स्कूलों का होगा विनाश !

मनपा के ४ लाख छात्रों की शिक्षा निजी संस्था, एनजीओं, कंपनियों के कब्जे में देने का निर्णय रद्द करो !

१६ मार्च २०१३ को दोपहर १२.३० बजे विरोध प्रदर्शन में शामिल हों !

- मुंबई मनपाने अपने ११७४ स्कूल 'पब्लिक प्रायव्हेट पार्टनरशीप' द्वारा 'दत्तक शाला' नामसे दर्जा सुधारने के बहाने से निजी संस्था, एनजीओ, कंपनीयों को सोंपने का निर्णय २३ जनवरी २०१३ को मंजूर किया है ।
- वास्तव में प्राथमिक शिक्षा की जिम्मेदारी क़ानून और संविधनिक मूल्यों के अनुसार महापालिका की है मात्र महापालिकाने अपने जिम्मेदारी से हाथ धो लिए है।
- इस निर्णय के गंभीर परिणाम पुरे देशभर में फैलेंगे। देश की अन्य जगहों में भी महापालिका, नगरपालिका, जिल्हापरिषद अपने संविधानिक जिम्मेदारी से किनारा करेंगे और शिक्षा का निजीकरण फैलेगा ।
- केंद्र और महाराष्ट्र शासन शिक्षा के लिए मुंबई मनपा को ढेर सारा पैसा देती है और मनपा भी शिक्षा खर्चे के लिए 'शिक्षा कर' (Education Cess) जनता से वसूल करती है ।
- इसके बावजूद मनपा अपने स्कूलों में सभी बच्चों को बुनियादी सुविधाएँ मुहैय्या नही कराती है । शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी को स्थायी स्वरूप में नियुक्त नही किया जाता, शिक्षकों पर अन्य कामों का बोझा थोपा जाता है । इस वजह से मुंबई शहर का उज्वल भविष्य बनानेवाली, होनहार विद्यार्थी प्रदान करनेवाली स्कूले आज नष्ट होने की कगारपर है ।
- १९८२ में मुंबई की कपडा मिले बंद करवाकर कामगारों को ध्वस्त किया और बिल्डरों ने सार्वजनिक जमिनोंपर कब्जा किया । वैसे ही मनपा के स्कूल और जमीनों पर बिल्डर, कंपनीयाँ अपना कब्जा करेंगे ।
- अब मनपा के बच्चों ने क्या पढना, कैसे पढना, किससे पढना यह देशविदेशों के कंम्पनियों के सहारे चल रही एनजीओं सिखाएगी । यह तो संविधान की अवमानना है ।
- आयआयटी और केंद्रिय विद्यालय जैसी सरकारी संस्थायें सरकार ही चलाती है । इनका दर्जा अच्छा रहा है । सरकार / मनपा चाहे तो मनपा स्कूलों का दर्जा सुधार सकती है । लेकीन वह खुद अपनी ही स्कूले मिटानेपर तुली है ।
- आज मुंबई मनपा ८ भारतीय भाषाओं में ४ लाख छात्रों को ११ हजार शिक्षकोंद्वारा शिक्षा दे रही है । इस निर्णय की वजह से एनजीओ, इंग्रजी शिक्षा का लालच दिखाकर केवल बोलचालवाली घटीया इंग्रजी सिखायेंगे । ऐसी शिक्षा से छात्रों का भाषा विकास और स्वतंत्र विचारशक्ती नष्ट होती है । भारत के भविष्य पर ही ये हमला है ।

आज अगर हम इस कंपनीकरण के खिलाफ अपनी आवाज नहीं उठाते तो कल बहुत देर हो जाएगी । सभी बच्चों को मुफ्त, अनिवार्य, अच्छे दर्जे की शिक्षा अगर देनी है तो मुनाफे कमानेवाली निजी कंपनीया और उनके इशारेपर चलायी जानेवाली एनजीओं वह दे नही सकती । यह काम सरकारी खर्चे से चलनेवाली जनवादी शिक्षा व्यवस्था ही कर सकती है । आज इस विषमता मूलक शिक्षा व्यवस्था का एक ही पर्याय है - ***केजी से पीजी*** तक सरकारी खर्चेपर चलनेवाली, सभी बच्चों को समता मूलक, मुफ्त, अनिवार्य अच्छे दर्जे की शिक्षा देनेवाली पडोसी स्कूल के आधारपर बनी **समान स्कूल व्यवस्था** ! इसलिए मुंबई मनपा स्कूलों के निजीकरण के खिलाफ संघर्ष के लिए ***१६ मार्च २०१३ को दोपहर १२.३० बजे आझाद मैदान में धरना प्रदर्शन के लिए*** अभियान में शामील हो।

माँगे

- **मनपा स्कूलों का नीजीकरण रद्द करों !**
- **सभी बच्चों को १२वी तक मुफ्त, सक्ती से, समान, दर्जेदार शिक्षा मनपा ने देनी चाहिए।**

आपके,

सभी सहभागी संघटना, पक्ष, संस्था मुंबई स्तर की

आपली मुंबई, आयसा, इंडियन सोशल मूव्हमेंट, इंडिया अगेन्स्ट कऱ्पशन, एआयआरएसओ, एआयएसएफ, कोकणस्थ दलित महिला संघटना, घर बचाओ घर बनाओ अंदोलन, जैतापूर अणुप्रकल्प विरोधी समिती, जनता दल (से), टीडीएफ, परिवर्तन शिक्षण संस्था, फुले आंबेडकरी राष्ट्रीय विद्यार्थी संघटना, भारीप बहुजन महासंघ, भाकपा, महाराष्ट्र सर्व श्रमिक संघ, मागासवर्गीय विद्यार्थी-पालक अधिकार संघर्ष समिती, मुं. म्यु. कामगार संघ, मुं. म्यु. कामगार कर्मचारी पुरोगामी युनियन, मुं. इलेक्ट्रिक एम्प्लायीज युनियन, मुक्तीयान लोक सांस्कृतिक संघटना, युसूफ मेहेर अली सेंटर, युवा बिरादरी, रिपब्लिकन पॅथर, राष्ट्र सेवा दल, विद्यार्थी भारती, शिक्षण व्यापारीकरण विरोधी मंच, शिक्षण बाजारीकरण विरोधी मंच, समान शिक्षण मूलभूत अधिकार समिती (मुंबई), समान शिक्षण मूलभूत अधिकार समिती (भिवंडी), सीपीआय (एमएल,ली.), सीपीआय (एमएल रेडफ्लॅग) युवाभारत, समाजवादी जनपरिषद, संत रोहीदास समाज विचार मंच,

मुंबई शिक्षण कंपनीकरण विरोधी अभियान

सहयोग

अखिल भारत शिक्षा अधिकार मंच

युसूफ मेहेरअली सेंटर, डी-१५, गणेश प्रसाद, नउशिर भरूचा मार्ग, ग्रँटरोड (प.),मुंबई ४००००७ फोन नं. : २३८७००९७ email: yusufmeherally@gmail.com

संपर्कः श्याम सोनार ८०८०८२९४९९/९९६९९२१९८१ प्रकाशकः अरविंद वैद्य, मार्च २०१३ प्रतीः १०,०००, मुंबई